(i) allotment of upto 50 acres of land duly demarcated and documented; and

(ii) all-round development of Vijay-nagar area with all infrastructural facilities.

(vi) Need to propagate teachings of Sant Kabir.

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : आज धर्म की आड़ में जो विष-वमन चल रहा है, वह समाज एवं देश को दिन प्रतिदिन विदीर्ण करता चला जा रहा है। धर्म के ठेकेदारों का उसकी वास्तविक मान्यताओं से दूर का भी रिश्ता नहीं रहता। इस देश में धर्म की आड़ में मेहनतकशों की अज्ञानता का जितना शोषण किया गया, उतना और किसी तरह से शायद नहीं हुआ। रूढ़िवादिता, कर्मकांड, पाखंड एवं अंधविश्वास आदि की संकुचित सीमाओं में जनसामान्य को जकड़ दिया गया। ऊपरी ढकोसलों से भेद एवं अंधकार की भावना जड़वती होती गई। आज के संदर्भ में यह नितांत आवश्यक हो गया है कि इंसानों को समानता के धरातल पर लाकर उनके मन से धार्मिक विद्वेष एवं कलह समाप्त किया जाए। इस परिप्रेक्ष्य में हमें महात्मा कबीर को याद करना होगा। लगभग दो माह पश्चात् संत कबीर का जन्म दिवस (ज्येष्ठ पूर्णिमा) भी आने वाला है। हमारा धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। संत कबीर प्रथम कवि थे, जिन्होंने धर्म निरपेक्ष समाज की परिकल्पना की। उनकी साधना का सामाजिक पक्ष था। उन्होंने वास्तविक सुख पड़ोस के व्यवहार में माना। मानव सेवा उनके लिए सबसे बड़ी पूजा थी। अनुभूतियों पर आधारित उनका धर्म मानव धर्म था। उनकी सत्यवाणी चिरनवीन एवं शास्वत है।

अतएव सरकार का परम कर्त्तव्य है कि समाज में प्रचलित मिथ्याडंबरों से जन सामान्य की मुक्ति के लिए संत कबीर की अभिव्यक्तियों को विभिन्न प्रचार एवं प्रसार के माध्यमों से अधिक से अधिक मात्रा में उपलब्ध कराए तथा उनके विचारों के विस्तारण को प्रोत्साहित करे। धर्म निरपेक्ष समाज के निर्माण में यह बहुत बड़ा योगदान होगा। आज के संदर्भ में यह और भी अधिक सामयिक है।

(vii) Non-availability of Kerosene in rural areas.

SHRI HARIKESH BAHADUR (Gorakhpur) : There is a very deep crisis of kerosene oil in the villages of several States of our country. People belonging to rural areas of U.P. are in great difficulty because they have not been getting kerosene oil for the last four or five months. Kerosene oil is the main source of light in our villages. It is really very unfortunate that kerosene oil which is one of the most essential commodities, is not available to the people who are in great need. Particularly, the students are the greatest sufferers. Therefore, I I would like to suggest to the Government to make kerosene oil available to the people as quickly as possible. The present distribution system is mainly responsible for this crisis. I would also like to advise the Government to streamline the distribution system.

(viii) Early appointment of Chairman and Managing Director in Heavy Engineering Corporation, Ranchi.

श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा (आरा) : भारी इंजीनियरी निगम (एच० ई० सी०) रांची में विगत नौ महीनों से कोई अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक नहीं है। इस बहुत बड़े सरकारी उपक्रम की व्यवस्था चौपट हो गई है। नौ महिने पहले जो इसके अध्यक्ष थे, उनके हटाए जाने के बाद अभी तक किसी की नियुक्ति नहीं हुई। स्मरणीय है कि सेलेक्शन फार पब्लिक इंटरप्राइज बोर्ड ने बहुत पहले नाम की सिफारिश कर दी है।

इस बड़े भारी इंजीनियरी निगम की स्थापना 1957 में हुई थी। भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री ने एक बड़े उद्देश्य से इसका निर्माण कराया था। उनके उद्देश्य थे : देश में स्टील प्लांटों के लिए यंत्रों का भारी मात्रा में निर्माण करना तथा देश की आवश्यकताओं से अधिक उत्पादन होने पर उसका निर्यात करना भी।